



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 358] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 22, 1978/आषाढ़ 31, 1900  
No. 358] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 22, 1978/ASADHA 31, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation.

उद्योग मंत्रालय  
(औद्योगिक विकास विभाग)

आवृत्ति

नई दिल्ली, 22 जुलाई, 1978

क्र. आ. 462(अ).—यतः जयपुर उद्योग लिमिटेड नामक औद्योगिक उपक्रम  
जिसका एंजीकृत कार्यालय सवाई माधोपुर राजस्थान में स्थित है, अनुसूचित उद्योग  
अर्थात् सीमेंट के विनिर्माण में लग्न हुआ है।

और यतः केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम में विनिर्मित  
वस्तुओं के उत्पादन की मात्रा में पर्याप्त कमी होने की संभावना है जो विद्यमान आर्थिक  
दशाओं का ध्यान में रखते हुए न्यायोचित नहीं है।

अतः केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951  
का 65) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मामले की परिस्थितियों  
का पूरा-पूरा और संपूर्ण अन्वेषण करने के प्रयोजन के लिये व्यक्तियों के एक निकाय की  
नियुक्ति करती है, जिसमें निम्नीलिखित व्यक्ति होंगे।

- |   |         |
|---|---------|
| 1. श्री कै. एल. सहगल<br>उप सलाहकार,<br>सरकारी उद्यम ब्यरो,<br>नई दिल्ली         | अध्यक्ष |
| 2. श्री यू. एन. आचार्य,<br>निदेशक,<br>आर्थिक विकास विभाग,<br>नई दिल्ली          | सदस्य   |
| 3. श्री एस. कृष्णमूर्ति,<br>संयुक्त निदेशक,<br>सरकारी उद्यम ब्यरो,<br>नई दिल्ली | सदस्य   |

उक्त निकाय अपनी रिपोर्ट इस आदेश के प्रकाशन की तिथि से चार सप्ताह के अन्दर देगा।

[सं. फा. 2/16/78-सी. यू. सी.]

पी. सी. नायक, संयुक्त सचिव

**MINISTRY OF INDUSTRY**  
**(Department of Industrial Development)**  
**ORDER**

New Delhi, the 22nd July, 1978

**S.O. 462(E).**—Whereas the industrial undertaking known as the Jaipur Udyog Limited having its Registered Office at Sawaimadhopur, Rajasthan, is engaged in a scheduled industry, namely, cement;

And whereas the Central Government is of the opinion that there is likely to be a substantial fall in the volume of production in respect of the articles manufactured in the said industrial undertaking, for which having regard to the economic conditions prevailing, there is no justification;

Now, therefore, exercise of the powers conferred by section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby appoints, for the purpose of making a full and complete investigation into the circumstances of the case, a body of person consisting of :—

- |   |   |          |
|---|---|----------|
| 1. Shri K. L. Saighal,<br>Deputy Adviser,<br>Bureau of Public Enterprises,<br>New Delhi.    | — | Chairman |
| 2. Shri U. S. Acharya,<br>Director,<br>Department of Industrial Development,<br>New Delhi.  | — | Member   |
| 3. Shri S. Krishnamurthy,<br>Joint Director,<br>Bureau of Public Enterprises,<br>New Delhi. | — | Member   |

The above body shall submit its report within a period of 4 weeks from the date of issue of this Order in the Official Gazette

[File No. 2/16/78-CUC]  
P. C. NAYAK, Joint Secy.